RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 3 हल्द्वानी सम्वत् 2081 सोमवार 24 जून 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

दिग्गजों को किनारे लगाकर साधा है निशाना

बलूनी, भट्ट, त्रिवेन्द्र, माला राज्यलक्ष्मी से ज्यादा भरोसा युवा अजय टम्टा पर

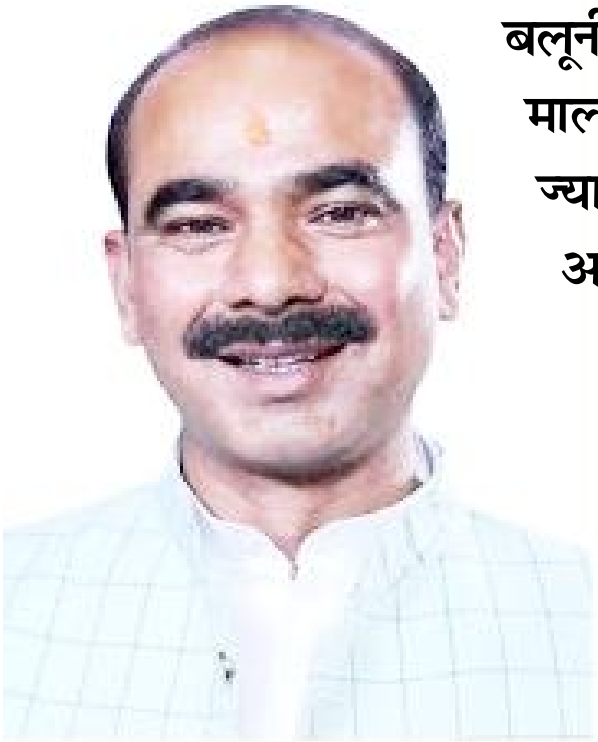

कार्यालय प्रतिनिधि

लोकसभा चुनाव में उत्तराखण्ड पूरी तरह से भाजपा के रंग में डूब गया था लेकिन देश भर में जिस प्रकार के परिणाम देखने-सुनने को मिले उसके बाद केन्द्र की कैबिनेट में उछाल आना ही था। प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी ने तीसरी बार शपथ ली और मंत्री पद की शपथ के लिये देशभर को प्रतिनिधित्व की डोरी बढ़ाई गई। ऐसे में उत्तराखण्ड भी आश लगाया था कि उसके परिणाम देखते हुए किसी दिग्गज को मंत्रिमण्डल में लिया जायेगा लेकिन अन्त में अजय टम्टा का नाम सामने आया और उन्होंने सड़क परिवहन राज्यमंत्री की शपथ ली। सबको पता है कि चुनाव में इस बार अजय टम्टा के नाम पर विशेष चर्चा नहीं हुई थी। सांसद के लिये टिकट के दौरान उनके नाम पर संशय बना हुआ था। टिकट मिलने और उनके रिकार्ड मतों से जीतने के बाद भी अनिल बलूनी, अजय भट्ट, त्रिवेन्द्र रावत, माला राज्यलक्ष्मी के नाम पर हवा दी गई परन्तु जिस तरह से अजय टम्टा मंत्री बने हैं वह दिग्गजों को किनारे लगाकर निशाना साधने के रूप में देखा जा रहा है। प्रदेश में अनिल बलूनी के नाम पर जिस प्रकार का माहौल पिछले सालों में रहा है उसे देख सीधा सा अनुमान लगाया जा रहा था कि मोदी सरकार बनने पर बलूनी को मंत्रिमण्डल में ले लिया जायेगा। पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत के गुणा भाग को भी मंत्री के रूप में गिना जा रहा था। पूर्व रक्षाराज्यमंत्री अजय भट्ट को मंत्री बनने की ओर गिना जा रहा था। महिला होने के नाते टिहरी की माला राज्यलक्ष्मी को भी अवसर दिये जाने की बात कही जा रही थी। लेकिन देशभर में बनी फिजा और जातीय समीकरण के आधार देखते हुए अजय टम्टा सबसे आगे निकल गये।

2014 में मोदी लहर के बाद से हुए लोकसभा चुनाव में उत्तराखण्ड की पाँचों सीट भाजपा के पास हैं। वर्ष 2014 में अजय टम्टा को कपड़ा राज्यमंत्री बनाया गया। 2019 में रमेश पोखरियाल निशंक को शिक्षा मंत्री, उसके बाद अजय भट्ट को रक्षा राज्यमंत्री बनाया गया। लगातार तीन बार लोकसभा चुनाव जीतने वाले अजय टम्टा को इस बार फिर से केन्द्रीय सड़क परिवहन राज्यमंत्री बनने का मौका मिला है। संगठन में मजबूत पकड़ और संघ के करीबी टम्टा को इस बार जो ईनाम दिया गया है वह भाजपा शीर्ष की ओर से निशाना है। यह उन दिग्गजों को सोचने पर मजबूर कर गया है जो एकदम करीब होकर भी दूर हो जाते हैं। अजय भट्ट का भाग्य ही कहा जायेगा कि वह एक बार वह मुख्यमंत्री की दौड़ में सबसे आगे होकर भी चूक गये। इसके बाद केन्द्रीय रक्षाराज्य मंत्री रहते हुए इस बार उन्हें मौका नहीं मिला।

सड़कों को डबल लेन बनाएंगे : टम्टा

अल्मोड़ा संसदीय क्षेत्र में अजय टम्टा का जोरदार स्वागत किया जा रहा है। सड़क परिवहन राज्यमंत्री श्री टम्टा ने जनता का अभिवादन करते हुए कहा कि संसदीय क्षेत्र की सड़कों को डबल लेन बनाया जायेगा। इससे यहाँ आने वाले पर्यटकों और अन्य यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि सीमान्त क्षेत्र और यहाँ के पर्यटन स्थलों को बेहतर सड़क सुविधा से जोड़ने के हर सम्भव प्रयास किए जाएंगे। ग्रामीण क्षेत्रों भी सड़क नेटवर्क को मजबूत किया जायेगा। जो सड़क योजनाएं पहले से चल रही हैं उन्हें तेजी से धरातल पर उतारा जाएगा।

जोहार परगना में चंद शासकों द्वारा भूमि पैमाईश व बारकैनी देश की मालगुजारी

जगदीश सिंह वृजवाल

जोहार घाटी में प्रमाणिकता के साथ चंद शासकों के अधिपत्य से पूर्व डोटी राजाओं का अधीन रहा। जुमली लुटेरों की कहानी भी सुनी जाती हैं। 1565 ई. में रूद्र चंद के गद्दी पर बैठने के बाद सीराकोट विजय के पश्चात ही अस्कोट, दारमा, जुवार में चंद शासकों का अधिपत्य हो गया था रूद्र चंद द्वारा सभी जगहों का भूमि बन्दोबस्त भी किया गया। अस्कोट के सम्भ्रान्त परिवार के गुरू गुसाईं को इस कार्य में लगाया गया था।

1630 ई. में राजा बाजबहादुर चंद के गद्दी पर बैठने के बाद जोहार के भूमि की पैमाईश सविस्तार पूर्वक किया जाने लगा। उस समय के जोहार के सरकारी कारमुख्तार टसी बुरफाल था। जिसके नाम बहुत अधिक भूमि पट्टा होने के साथ मालगुजारी उसूलने का अधिकार भी चंद शासन से मिला था। जोहार परगना का तीन खण्ड- जुवार देस, बारकैनी देस, तल्ला देस था। सभी खेत, तोकों का लेखा-जोखा रखने के लिए नरी काण्डपाल, लषमन देउपा आदि को लगाया गया जोहार का उन्नत व्यापार, समृद्धता देखकर विशेष सिरती कर थोपा गया।

1670 ई. में ही बाजबहादुर चंद द्वारा मानसरोवर यात्रा भी जोहार घाटी से की गयी। वह धार्मिक प्रवृत्ति का था। जिसकी अगुवाई भादो मिलम्वाल व लोरू विलज्वाल ने किया, जिन्हें राजधानी लौटकर भूमि स्वरूप जागीर प्रदान की भी गई।

जोहार परगना के सभी खेत, तोकों की सरहदबंदी कर, बीड, बेलजा, रकबा, कांछ, मासा, रत्ती, रनीया, अनाज में मालगुजारी दर्ज की गई।

जगत चंद का स्वर्ण काल में यामी मिलम्वाल को रिलकोट में जो जागीर दी गई वह गोरीगंगा की भेंट चढ़ गई, जिसमें 4 कांछ मालगुजारी दर्ज थी। जो अधिक मालगुजारी भूमि थी।

जोहार घाटी में अभी भी पंज्वारीयों का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देती हैं। मिलम्वालों व पंज्वारीयो में वर्चस्व की लड़ाई में पंज्वारी कमजोर पड़ते रहे। धन-जन से शनै-शनै शक्ति भी क्षीर्ण होती रही। ल्वालो को अपनी भूमि जलथ गाँव से बेदखल होना पड़ा। आधे से अधिक लोग अपने मुल्क छोड़ कर प्रदेश चले गए, शेष बचे कुछ लोग कुछ दूर दरकोट आकर रहने लगे।

प्रभावशाली बरफाल भी अब अप्रभावी होते गये, बूर्फू का एक गाँव अब मल्ला, तल्ला में विभाजित होकर मल्ला बरफाल के लोग भी मुल्क छोड़कर प्रदेश की ओर रुख कर गये।

रहलम्वाल जो प्रभावी थे। अब रालम भी उजड़ गया, रहलम्वालों की बुढ़ाचारी चुलकोटियो के पास आ गया। इस प्रकार आधुनिक जोहारी युग का शुभारम्भ तथा पंज्वारीयो का पटाक्षेप हो गया था।

बारकैनी देस की भूमि पैमाईश तथा मालगुजारी- जिस भूमि में खेती बाड़ी का कार्य खस या जीमदार (खस, राजपूत, कैनी), जाति के लोग करते थे। भूमि में नौकाओं का अधिकार होने के कारण उत्पादित कृषि अनाज का भूमि कर के रूप में उपज का बंटवारा शौकाओं के साथ करते थे तथा बारपटिये जनजाति भी खेती बाड़ी से ही जुड़े हुए थे। जिनका भूमि पर मालिकाना हक भी था। बारकैनी देस से उपज के रूप में सबसे अधिक मालगुजारी दर्ज था।

बारकैनी देश के कुल 35 गाँव, तोक पर मालगुजारी दर्ज था।

शेष पृष्ठ 3 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

जंगल की आग

इस बार गीष्मकाल में उत्तराखण्ड के जंगल बेहिसाब भस्मभूत हो गये। हवा, पानी, आग से खेलना खतरनाक होता है लेकिन जिस प्रकार से मानवीय भूल या जानबूझ कर गलती होती रही हैं उसका परिणाम दिखाई दे रहा है। जंगल में आग की भीषण घटना बिनसर अभयारण्य की है। यहाँ आग की चपेट में चार वन कर्मियों की और मौत हो गई और चार झुलस गये।

जंगल में आग की घटनाओं को लेकर लगातार हल्ला मच रहा है और आग लगाने वालों की पकड़ भी हुई है लेकिन ग्रीष्म की तपन से भी आग की घटनाएं हो जाती हैं। आग जैसे भी लगे, यदि भड़क गई तो नुकसान करती है। आग की घटनाओं पर विभाग द्वारा अपने संसाधनों पर जितना जो हो सकता है किया जा रहा है लेकिन शासन जन दबाव देखते हुए एकदम एक्शन को तैयार है। यही सब बिनसर अभ्यारण्य की घटना पर देखा गया है। लगी आग और इसमें हुए हादसे पर मुख्यमंत्री ने त्वरित कार्रवाई करते हुए डीएफओ, वन संरक्षक को निलम्बित कर दिया और मुख्य वन संरक्षक कुमाऊँ को प्रमुख वन संरक्षक के कार्यालय से सम्बद्ध कर दिया।

यह बहुत ही हृदयविदारक घटना है कि आग की चपेट में वन कर्मियों की मौत हो गई और गम्भीर रूप से घायल हुए। पीड़ितों के दुःख को बयानों, घोषणाओं, एक्शन से कम नहीं किया जा सकता है। जंगल की आग में अधिकारियों पर गाज गिरने से क्या होगा? सभी जंगलों को किस प्रकार सुरक्षित रखा जाए इसके लिये पूरी तैयारी हो जानी चाहिये। मौसम की गरमी फिर से होगी लेकिन इसमें जंगल न जलें और जीव-जन्तु सहित कोई मानव हानि न हो, इसके लिये किसी एक पक्ष को नहीं हम सभी को जिम्मेदारी लेनी होगी। जंगल बचाने का काम केवन वन विभाग, वन निगम का ही नहीं, यह हम सबकी जिम्मेदारी और संस्कार हैं। भविष्य में इस प्रकार की दुःखद घटनाएं न हों इसके लिये जंगल के सख्त नियमों की पालना होनी चाहिये। जंगल चोरी पर रोक, आग लगाने वालों पर सख्ती, जंगल संरक्षण करने वालों को पुरस्कार, पहले की तरह जंगल के हक-हकूकों के साथ ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित की जानी चहिये।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

आदित्य-एल1 ने सौर लपटों की तस्वीरें लीं

बेंगलुरु। इसरो के आदित्य-एल1 अन्तरिक्ष यान के दो रिमोट सेलिंग उपकरणों ने हाल ही में हुए सौर लपटों की तस्वीरें कैद की। अन्तरिक्ष एजेंसी ने यह जानकारी दी। भारत का पहला सौर मिशन आदित्य-एल 1 6 जनवरी को लैग्रेजियन बिन्दु(एल1)पर पहुँचा। 2सितम्बर2023 को यह अभियान शुरू हुआ।

कोलज में साल में अब दो बार दाखिले

नई दिल्ली। देशभर के विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में शैक्षणिक सत्र 2024-25 से साल में दो बार दाखिले हो सकेंगे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने विदेशी विश्वविद्यालयों की तर्ज पर इस योजना को मंजूरी दे दी है। इससे विद्यार्थियों को फायदा हो जो जुलाई में प्रवेश नहीं ले पाते हैं।

नए वाद नीति दस्तावेज को मंजूरी

नई दिल्ली। विचार-विमर्श के बाद, केन्द्रीय विधि मंत्रालय ने राष्ट्रीय मुकदमा नीति पर एक दस्तावेज को अन्तिम रूप दिया, जिसका उद्देश्य लम्बित मामलों के शीघ्र समाधान पर जोर देना है। विधि मंत्री कार्यभार सम्भालने के तुरन्त बाद अर्जुन राम मेघवाल ने वाद नीति दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए।

मीडिया को दो साल चुप रहने को बाध्य किया

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने दावा किया कि पिछले दो साल से सरकार ने मीडिया को चुप रहने के लिये बाध्य कर दिया और असहमति जताने वाले पत्रकारों को दमन का सामना करना पड़ा। मई मामलों में आरोपी खान को दस महीने पहले गिरफ्तार किये जाने के बाद से रावलपिण्डी की उच्च सुरक्षा वाली अडियाला जेल में रखा गया है।

नोबेल पुरस्कार विजेजा पर आरोप तय

ढाका। बांग्लादेश में एक विशेष न्यायाधीश की अदालत ने 20 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक राशि के गबन मामले में नोबेल पुरस्कार विजेजा मुहम्मद यूनुस और 13 अन्य पर आरोप तय किये। गरीब लोगों विशेष रूप से महिलाओं की मदद करने के लिये सूक्ष्म ऋण की शुरुआत करने के लिये वर्ष 2006 में नोबेल शान्ति पुरस्कार से सम्मानित 83 वर्षीय यूनुस ने अपने को निर्दोश बताया।

चीन में पढ़ने वालों के लिए एफएक्यू जारी

बीजिंग। भारतीय दूतावास ने चीन में अध्ययन कर रहे भारतीयों के लिए अपनी वेबसाइट पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (एफएक्यू) प्रकाशित किए हैं ताकि उन्हें चीनी कालेजों में प्राप्त दस्तावेजों से सत्यापन सम्बन्धी प्रक्रियाओं की जानकारी दी जा सके।

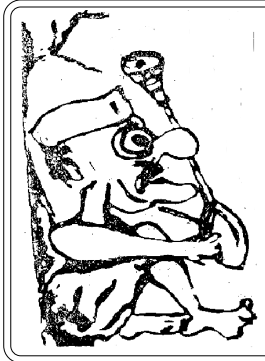

फसक

दाज्यू, परिणाम अपने अनुरूप चाहने वाले ठैरे

सारे प्रयोग इसी समय किये जा रहे हैं बल

दाज्यू, नीट यूजी के परिणामों में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए चारों ओर हंगामा मच रहा है। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) पर नाराजी दिखाते हुए युवाओं ने परीक्षा परिणामों की सीबीआई जाँच की मांग की है। दाज्यू, परीक्षाओं को लेकर क्या-क्या हो रहा है? बच्चे चिल्ला रहे हैं, कुछ तो गड़बड़ है? हमें तो बस इतना पता है हर कोई परिणाम अपने अनुरूप चाहता है। भगवान जाने क्या होता होगा? परिणाम अपने अनुरूप चाहने वाले ठैरे। चरस की सी लत है परिणाम भी। क्या सही, क्या गलत, जिसको चाहिये वह कुछ तो करेगा ही।

दाज्यू, परीक्षा परिणामों को लेकर चाहे कुछ होता रहे, चरस का खेल जारी है। खटीमा पुलिस ने डेढ़ लाख कीमत की चरस के साथ सौदागर को दबोच लिया। पकड़ में आया युवा तीन साल की सजा काटकर जेल से छूटा ही था, फिर से धन्धे में जुट गया बल। रुद्रपुर में एसओजी की टीम ने चरस सप्लाई करने वाले दो तस्करों को पकड़ा है। मुक्तेश्वर से 2.40 ग्राम चरस लेकर सप्लायर बेचने के लिये शहर आये थे। हल्द्वानी के मटर गली में कपड़े की दुकान चलाने वाला नरेश पासवान भी चरस का कारोबार करते हुए पकड़ा गया। दाज्यू, तस्कर भी तो परिणाम की आस में लगे रहते हैं। यह किस्मत की बात है परिणाम कैसा निकलता है। वैसे भी इस घोर कलजुग में सारे प्रयोग इसी समय किये जा रहे हैं बल। सटर-पटर की दुनिया में जिसकी चल गई वह अपने को सिकन्दर समझ रहा है।

शिक्षा मंत्री कह रहे हैं युवा पढ़ाई के साथ अब कमाई भी करेंगे। दाज्यू, डिग्री कालेजों के प्रवेश का तमाशा भी सबने देख लिया है। मेरिट में चयनित छात्र-छात्राओं को प्रवेश में दिलचस्पी ही नहीं है। सब अपने-अपने प्रयोग करने लगे हैं। प्रदेश में कोश्याकुटोली तहसील का नाम कैंचीधाम और जोशीमठ तहसील का नाम ज्योतिर्मठ कर दिया है। दाज्यू, सब कुछ परिणाम ही तो है। गर्मी के सीजन में बिजली चोरी करते 5 दर्जन से अधिक उपभोक्ताओं को हल्द्वानी के बनभूलपुरा में पकड़ लिया। आराम की नींद के लिये बिजली चोरी कर रहे लोगों को विजिलेंस देहरादून की टीम ने तड़के पकड़ लिया। खुल्लम-खुल्ला कटिया डालकर घर रोशन करने वाले इतनी जल्दी सुधर जाएंगे, हमें नहीं लगता है। ये छापामारी वाले भी बड़े होटल, बड़ी जगह पर हाथ डालें तब समझ आए। बाल श्रम रोक लिये छापेमारी कर श्रम विभाग खुश है लेकिन ढाबों में जाकर देखा.....। दाज्यू, देहरादून जाते समय परिवहन निगम की बसों का जो अड्डा भोजन-पानी के लिये बना है वहाँ मनमाने रेट पर कोई टोकने वाला नहीं है। बिस्कुल, पानी, लस्सी, आइस्क्रीम से लेकर हर चीज पर मनमाना रेट वसूला जा रहा है। लुटने-पिटने को तैयार यात्री करे भी क्या करे? ऐसी घमासान जगह पर बस लगा दी जाती है जहाँ स्टाफ एक कमरे में घुसकर दालमखनी-चना-चाट का मजा लेता है और यात्री खोखे-फड़-ढाबे में रौंदे जाते हैं। रेट पूछने पर आँख दिखाई जाती है। यह भी एक प्रकार का प्रयोग ही ठैरा। परिवहन वालों से मिलकर एक अड्डा दाल-भात का तय कर लो फिर चाहे जो करो। गाँव-घर या अपने इलाके की बात हो तो यात्री कुछ करें भी, दूसरे के इलाके में मुंह ताकने के अलावा हो भी क्या सकता है? किच्छा में ग्रामीणों ने शराब माफियाओं को दौड़ा दिया। ढाबे में यह सब सम्भव नहीं है।

दाज्यू, उत्तराखण्ड के चर्चित उद्यान घोटाले में सीबीआई ने तत्कालीन अफसरों समेत ठेकेदारों, पौध सप्लाई करने वाली फर्मों पर शिकंजा कस दिया है बल। इसका मतलब चिमटा-पकड़ होगी ही। दाज्यू, चम्पावत जिला अस्पताल में नर्सिंग अधिकारियों पर आयुष्मान प्रभरी के साथ मारपीट का आरोप लगा है। जहाँ देखो वहाँ फोड़योव हो रही है। दाज्यू, जलते जंगलों की किसको चिन्ता है सब अपने को बचा रहे हैं।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

टनकपुर कालेज : जाँच कमेटी के सामने उधेड़ कर रख दिया

भूगोल शिक्षक के खिलाफ मोर्चा, आरोपों की बौछार, प्रभार हटाए गए

टनकपुर/चम्पावत। मुख्यमंत्री के विधान सभा क्षेत्र टनकपुर स्थित डिग्री कालेज एकदम अशान्त वातावरण से गुजर रहा है। महाविद्यालय के चर्चे चारों ओर हैं कि यहाँ किस प्रकार से संचालन हो रहा है। महाविद्यालय के वर्तमान और पूर्व छात्र छात्राओं ने आरोप लगाते हुए मोर्चा ही खोल दिया है। भूगोल विषय के प्रवक्ता पर आरोप लगाते हुए प्रदर्शन तक कर डाला, ऐसे में गठित जाँच टीम ने आकर सुनवाई की। इस बीच शिक्षक महेन्द्र चौहान को दिये गये प्रभारों से मुक्त कर दिया गया है। विद्यार्थी चौहान से सारे प्रभारी हटाने की मांग कर रहे थे।

बताया जा रहा है कि आक्रोशित छात्र नेताओं और छात्राओं ने शिक्षक महेन्द्र सिंह चौहान को तत्काल हटाने की मांग करते हुए अपने लिखित बयान दिये। भूगोल शिक्षक चौहान पर आरोप लगाते हुए छात्र-छात्राओं ने कहा कि वह मनमानी करते रहे हैं। भविष्य खराब करने का आरोप भी उनपर लगाते हुए छात्र नेता दीपक बेलवाल ने कहा कि उन्हें मानसिक व शारीरिक रूप से परेशान होना पड़ा है। छात्र नेता रजत त्रिपाठी ने शिक्षक पर आरोप लगाते हुए कहा कि उनसे पूछा जाए कि वह मुख्यालय से कितनी दूरी पर अपनी पत्नी के साथ रहते हैं और आवासभत्ता लेते हैं। क्या आवास भत्ता पति-पत्नी दोनों को मिलना चाहिये। इसी प्रकार की सूचना योग विभाग से जुड़े मदन सिंह ने भी चाही कि बनबसा एनएचपीसी में यदि शिक्षक को आवास मिलता है तो क्या आवासभत्ता भी अतिरिक्त मिलेगा या नहीं। बताया जाता है कि महाविद्यालय ने पहले इस सूचना को नहीं बताया कि उक्त शिक्षक को एचआर मिलता है लेकिन जब सूचना के तहत और उच्चस्तर से पूछ हुई तो बताया कि शिक्षक चौहान एसआर लेते हैं। श्री मदन सिंह का कहना है कि वह बहुत ही तनमय होकर योग शिक्षा का प्रचार कर रहे हैं लेकिन उक्त शिक्षक उन्हें पीड़ा देते रहे हैं। महाविद्यालय की महिला कर्मचारी श्रीमती पुष्पा भट्ट जाँच समिति के आते ही फफक-फफक कर रो पड़ी। उन्होंने अपनी दुःखभरी कहानी सुनाते हुए कहा कि उन्हें भूगोल विभाग में होते हुए भी बाहर कर दिया जाता है और छात्राओं को विभाग में कक्षाओं के लिये बुलाया जाता रहा है। श्रीमती भट्ट ने बताया चतुर्थश्रेणी विधवा कर्मचारी हैं और बड़े लोगों के छल-छद्म नहीं जानती हैं लेकिन उन्हें लगातार उत्पीड़ित किया गया है। उन्हें स्थानान्तरण का भय दिखाया जाता है। इसके लिये उन्होंने महाविद्यालय के एक चर्चित वरिष्ठ शिक्षक कटियार के नाम को भी लिया। आरोप लगा रहे छात्र नेताओं व छात्राओं खुशी, नेहा, मयंक पन्त, नितिन मंगला सहित सहित अन्य ने जिन बातों को रखा है, वह सब बखिया उधेड़ने वाली हैं। आरोपों की बौछार पर जाँच कमेटी सदस्य डॉ.चन्द्र राम व डॉ.अंजना दुर्गापाल ने शिक्षक से उनका पक्ष भी सुना।

इस बीच प्राचार्य डॉ. अनुपमा तिवारी ने महेन्द्र सिंह चौहान द्वारा दिये गये प्रार्थना पत्र पर उन्हें दिये गये प्रभारों से हटा दिया गया है। पूरा मामले की सूचना मुख्यमंत्री कार्यालय तक हैं और मुख्यमंत्री विधानसभा क्षेत्र में कालेज के सफेद-स्याह की चर्चाएं तीव्र हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पहल

ज्ञानोदय शिक्षा केन्द्र में नि:शुल्क कक्षाएं

द्वाराहाट। बासुलीसेवा में नई उमंग संस्था द्वारा संचालित ज्ञानोदय शिक्षा केन्द्र का शुभारम्भ हो चुका है। इसमें नि:शुल्क रूप से बच्चों को पढ़ाई करवाई जा रही है।

संस्था के डॉ.दीपक मेहता कहते हैं कि बहुत सारे बच्चों की घर में ठीक से पढ़ाई नहीं हो पाती और उन्हें घर में पढ़ाने वाला भी कोई नहीं होता है। इस तरह अलग-अलग कारणों से उनकी पढ़ाई बाधित रहती है। ऐसे बच्चों के लिए 'ज्ञानोदय' के रूप में सायंकालीन शि:शुल्क कक्षाएं शुरू की गई हैं। इसमें प्राथमिक से लेकर माध्यमिक तक कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। साथ ही इंडोर आउटडोर गेम, चित्रकला, हस्तकला, संगीत, नृत्य इत्यादि गतिविधियां भी समय समय पर करवाई जाएंगी। बीच-बीच में अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों से भी बच्चों को रूबरू करवाया जायेगा। लॉक डाउन से पहले इस संस्थान में लगभग सौ बच्चे नियमित रूप से अध्ययन करने के साथ ही अन्य गतिविधियों में भी प्रतिभाग करते थे किन्तु कोविडकाल में हमें इसे अपरिहार्य कारणों से बन्द करना पड़ा। अब नए जोश के साथ एक बार फिर से ज्ञानोदय के द्वार बच्चों के लिए खुल चुके हैं।

पूर्व में बहुत सारे युवाओं ने इस संस्थान में नि:शुल्क सेवाएं देकर शिक्षण कार्य किया था। क्षेत्र के बहुत से युवा अलग-अलग संस्थानों में स्नातक, स्नाकतोत्तर व व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। कई युवा जो बाहर नौकरी करते हैं अक्सर छुट्टियों में वह भी घर आते रहतू हैं। बग्वालीपोखर क्षेत्र में नौकरी करने वाले कुछ शिक्षक और कर्मचारी जो इस तरह की गतिविधियों में रुचि रखते हैं। इसमें से बहुत सारे लोगों ने जब भी समय मिला अपनी सुविधानुसार ज्ञानोदय में आकर शिक्षण कार्य अथवा अन्य गतिविधियों द्वारा बच्चों को समय-समय पर मदद की है।

जोहार परगना....

प्रथम पृष्ठ का शेष

सबसे अधिक मालगुजारी देने वाला गाँव बनीला (बर्निया गाँव) बरपटिया गाँव से 22 कांछ, 0 मासा, 0रत्ती कर दर्ज था। सबसे कम गोलमा 1कांछ, 1मासा 1 रत्ती कर था।

बारकैनी देस मुनस्यारी क्षेत्र से सबसे अधिक मालगुजारी 221 कांछ 0 मासा 111 रत्ती मालगुजारी कर के रूप में लिया जाता था।

जुवार देस से 138 कांछ, 0 मासा, 11 रत्ती मालगुजारी दर्ज था।

तल्ला देस 4 गाँव, तोक से कुल 8 कांछा, 1 मासा, 9 रत्ती का मालगुजारी दर्ज था। जो तीनों क्षेत्र जोहार परगना के अन्तर्गत आता था।

बारकैनी देस (मुनस्यारी क्षेत्र) के खेत, तोक जो मालगुजारी हेतु चंद शासक द्वारा दर्ज किया था, निम्नवत :

साईं पोलू, साईं टोलिया बिष्ट, क्वीरी, येमीया(जीमीया), धापा, कुलथम, ढीम-ढीम (ढीलम) दोमर (दुम्मर), तल्ला दुम्मर, लिल्म (लिलम), दरकोट, जलध, दरांती, मपवालबाडा, सेला, पापड़ी, केटी, तेली , बनीला (बर्निया गाँव) चौना, कनलका, कोटालगों, गोलमा, बसेड़ी (बसन्त कोट) इमीला, मतकोट, मदोन्या, (मतकनी) जोसा, हुनमानी, तुमूक (तोमीक) गोलफा, बडेती (बोथी)रिंगू, चूलकोट, षडतोली (निरतोली) जो सभी चंद शासन काल 1568 ई. में अस्तित्व में थे।

आज के कुछ महत्वपूर्ण गाँव, कस्बा जो उन ज़माने में अस्तित्व में नहीं थे- तिकसैन, जैंती, नानासेम, घोरपटा, सेबला, हरकोट, मंटेना, सुरिंग, बुई-पातो, मवानी दबानी, बोना, उछेती, भटकूरा, रांधी, कवाधार आदि। कुछ तल्ला देस की भूमि जिसकी पैमाईश नहीं हुआ हो, जिसका मालगुजारी दर्ज नहीं है।

जोहार घाटी में चंद शासकों के अधिपत्य से पहले डोटी राजाओं का भी अधिकार क्षेत्र रहा है, सीराकोट के रैका राजा हरिमल को रसद आपूर्ति जोहार परगना से किये जाने का उल्लेख मिलता है। रूद्र चंद द्वारा जोहार से आने वाले रसद को रोककर ही सीरीकोट फतह करने में सफलता मिली थी। जोहार की समृद्धि पर ध्यानाकृष्ट होते रूद्र चंद ने जोहार पर अधिकार कर अपने कर्मचारियों से जोहार की भूमि की पैमाईश, मालगुजारी दर्ज कराया। वह विशेष सीरती कर शौकाओं पर ही लगाया जाने वाला कर था। (लेखक का लेखन मकसद कुछ ऐतिहासिक जानकारी आप सभी तक भी पहुँचाना है।)

मल्ला जोहार विकास समिति वार्षिक बैठक

सीमान्त के राजस्व गाँव की ज्वलंत समस्याओं का निराकरण हो

मुनस्यारी। मल्ला जोहार विकास समिति की वार्षिक बैठक के अलावा टीम द्वारा उच्च हिमालय क्षेत्र का दौरा कर कहा है कि जिला प्रशासन उच्च हिमालयी गाँवों की सुध नहीं ले रहा है। मल्ला जोहार के 14 गाँवों के ग्रामीण ग्रीष्मकालीन प्रवास के लिये अपने गाँवों तक पहुँच चुके हैं लेकिन सरकार को इनके दु:ख-दर्द से कोई मतलब नहीं है। सरकारी व्यवस्थाओं का हल्ला बहुत मचता है लेकिन व्यवहार में सुविधाएं न होने से लोग परेशान हैं।

माइग्रेशन से पूर्व प्रशासन द्वारा सम्बन्धित विभागों को मार्ग, पेयजल, पशु चिकित्सा, खाद्यान्न आदि की व्यवस्था के निर्देश दिये जाते हैं परन्तु इसे कतई गम्भीरता से नहीं लिया गया है। ग्रामीणों को अपने गाँव पहुँचे लगभग ढेड़ माह का समय हो चुका है। सीमान्त के इन दूरस्थ ग्रामों को देखने मल्ला जोहार विकास समिति के सात सदस्यीय दल पहुँचा। मल्ला जोहार से लौटी टीम ने बताया कि मिलम पैदल मार्ग की स्थिति बेहद दयनीय है। लास्पागाड़ी से रिलकोट तक मार्ग की देखरेख के लिये लोनिवि द्वारा मात्र एक बेलदार तैनात किया गया है। पट्टी पटवारी, पशुपालन कर्मी, कृषि विभाग के कर्मी, पूर्ति निरीक्षक, विकास खण्ड कर्मी व जल संस्थान का कोई भी कर्मचारी क्षेत्र तक नहीं पहुँचा है। टीम ने बताया कि सरकारी विभागों में मात्र एक फार्मसिस्ट विक्कू सयाना ही क्षेत्र तक पहुँचा है। समिति ने कहा है कि प्रशासन और विभागों की इस उदासीनता से चीन सीमा से लगे गाँव कैसे आबाद होंगे यह चिन्ता की बात है। समिति ने इस सारी अव्यवस्था को लेकर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को पत्र भेजने की बात कही है। टीम में समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मशक्तू, राज्य लोक सेवा आयोग अध्यक्ष गणेश सिंह मर्तोलिया, एडीएम सीएम मर्तोलिया, पूर्व निदेशक वाई.एस. पांगती, लोकबहादुर जंगपांगी शामिल थे।

पूर्णागिरी मेला की सुविधा बराबर मिलेंगी

टनकपुर। पूर्णागिरी मेला समाप्त होने के बाद भी यात्रियों को मूलभूत सुविधाएं बराबर मिलेंगी। जिला पंचायत की ओर से बिजली और सफाई की सुविधा मिलेगी। इस बार की मेला अवधि 80 दिन निधरित की गई थी। इसमें 22 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किये। मन्दिर समिति का भी कहना है कि मेला अवधि चाहे बीत जाए लेकिन श्रद्धालुओं को मूलभूत सुविधाएं बरकरार रहनी चाहिये।

इधर टनकपुर में टैक्सी यूनियन की ओर से पूर्णागिरी मेला समाप्ति पर भव्य भण्डारे का आयोजन किया गया। शारदा घाट पर भी श्रद्धालुओं द्वारा श्रद्धाभोज करवाया गया। अब बरसात के साथ धीरे-धीरे भीड़ कम होने लगेगी।

चम्पावत कालेज में सुविधाएं जुटाई जाएंगी

चम्पावत। पीजी कालेज में शीघ्र ही सुविधाएं जुटाई जाएंगी। इसके लिये ब्रिडकुल की टीम ने कालेज परिसर का निरीक्षण किया। टीम ने यहाँ तमाम विकास कार्यों की डीपीआर बनाने के लिये नापजोख की। चम्पावत परिसर में शीघ्र मिनी स्टेडियम, वाईफाई सुविधा, केन्द्रीय पुस्तकालय, बहुउद्देशीय हॉल और चाहरदीवारी बनाई जाएगी।

बताया गया है कि यहाँ 1000 क्षमता का मिनी स्टेडियम, 600 क्षमता की वाई फाई सुविधा, बहुउद्देशीय हॉल और चाहर दीवारी प्रस्तावित है। ब्रिडकुल के अभियन्ता सुरेश भट्ट व मोहित तिवारी के नेतृत्व में टीम ने नापजोख की। इस दौरान ग्राम प्रधान व छात्र संघ नेता भी मौजूद थे।

ज्योतिष की बातें - 183

29 जून 2024 को बुध शत्रुराशि कर्क में प्रवेश करेगा। उसके पूर्व 26 जून को बुध उदय भी हो जाएगा। वहाँ पर कुछ दिन मंगल की दृष्टि भी होगी और कुछ दिन शुक्र से युति भी होगी। कुल मिलाकर बुध निर्बल ही रहेगा। बुध बृद्धि, वाणिज्य, व्यापार, मामा, लेखन, कला, गणित, लेखा, रक्त, त्वचा, त्रिदोष प्रकृति आदि का कारण होता है। फलदीपिका के अनुसार बुध के लिये दूसरा, चौथा, छटवाँ, आठवाँ, दसवाँ और ग्यारहवाँ स्थान शुभ होता है। अत: अगले 20 दिन बुध अपने कारक विषयों में मिथुन, मेष, कुम्भ, धनु, तुला व कन्या राशि के जातकों को अल्पमात्रा में शुभफल प्रदान करेगा। अन्य जातकों को अभी प्रतीक्षा करनी चाहिए।

यहाँ पर ग्रह विशेष का स्वतन्त्र रूप से गोचरफल प्रस्तुत किया जाता है, अन्य ग्रहों के गोचर का विचार नहीं किया जाता। व्यक्तिविशेष के शूक्ष्म विश्लेषण के लिए उसकी जन्मकुण्डली, महादशा आदि का विचार करना आवश्यक होता है।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 74

महिला भारत, पुरुष भारत

एक पीढ़ी पहले की बात करें तो उस समय जो पति की आय होती थी, वही पत्नी की आय मानी जाती थी। जो पति की धन सम्पत्ति होती थी, वही पत्नी की धन सम्पत्ति होती थी। जो मकान पुरुष का होता था, वही मकान महिला का होता था। जो पुरुष का बैंक बैलेंस होता था वही महिला का बैंक-बैलेंस होता था। जो पुरुश के नाते रिश्तेदार होते थे, वही महिला के भी नाते रिश्तेदार होते थे। जो पुरुष का भाग्य होता था, वही महिला का भाग्य होता था। जब महिला किसी ज्योतिष के पास जाकर पूछती थी कि नौकरी कब लगेगी, तो उसका अर्थ होता था कि उसके पति की नौकरी। ज्योतिषी भी पत्नी ेक जन्म कुण्डली अथा हस्तरेखा देखकर उसके पति के बारे में पूर्ण रूप से बता देता था। दोनों का भाग्य, दोनों का सुख-दु:ख संयुक्त होता था।

अब स्थिति बदल गई है। महिला की आय अलग होती है, पुरुष की अलग। महिला की धन सम्पत्ति पुरुष की धन सम्पत्ति से अलग होती है। दोनों का बैंक-बैलेंस भी अलग-अलग होता है। महिला के नाम का मकान अलग होता है पुरुष के नाम का मकान अलग। महिला के नाते-रिश्तेदार दूसरे होते हैं, पुरुष के नाते-रिश्तेदार दूसरे। महिला की मित्र मण्डली अलग होती है और पुरुष की मित्र मण्डली अलग होती है। पति और पत्नी दोनों ही अपने भाग्य का विचार अलग-अलग करते हैं। अन्त में तलाक हो जाने पर पति-पत्नी बच्चे भी आपस में बांट लेते हैं।

दाम्पत्य भावना, पारिवारिक भावना अब छिन्न-भिन्न हो चुकी है। पूर्ण रूप से अमेरिका का वातावरण यहाँ पर उत्पन्न हो चुका है। पूरा भारत ही दो भागों में बंट गया है- पुरुष भारत और महिला भारत। यह बहुत गलत हो रहा है। इसमें शायद नारी सशक्तिकरण अभियान की भी भूमिका है। **-सरल**

बेटी ने किया माँ का श्राद्ध

कृपाल सिंह मेहरा 'किप्पू'

हरिद्वार। स्वतन्त्र लेखिका रही रीता खनका रौतेला का वार्षिक तिथि श्राद्ध हरिद्वार के हरकीपैड़ी स्थित कुशा घाट में उनकी बिटिया हर्षिता रौतेला 'बुलबुल' ने किया। रीता वरिष्ठ पत्रकार जगमोहन रौतेला की पत्नी थी। उल्लेखनीय है कि हल्द्वानी निवासी लेखिका रीता का गत वर्ष मई 2023 में तीन साल तक कैंसर से लड़ने के बाद निधन हो गया था। जीवन के आखिरी दिनों में वह हल्द्वानी के राजकीय सुशीला तिवारी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती थी। भर्ती रहने के दौरान ही अपनी मौत से एक हफ्ते पहले उन्होंने देहदान का संकल्प लिया और अपनी मृत देह को हल्द्वानी के राजकीय मेडिकल कालेज को दे देने का संकल्प पत्र भरा। उनकी मौत के बाद परिजनों ने रीता खनका रौतेला की इच्छानुसार उनके पार्थिव शरीर को हल्द्वानी मेडिकल कालेज को सौंप दिया। उल्लेखनीय है कि रीता खनका रौतेला के पति जगमोहन रौतेला उत्तराखण्ड के जन-सरोकारों से जुड़े जाने-माने पत्रकार हैं और उन्हें कई सम्मान मिल चुके हैं। रीता खनका रौतेला की मृत्यु के बाद रुढ़िवादी परम्पराओं को दरकिनार करते हुए उनके पति जगमोहन रौतेला ने अपनी एक मात्र सन्तान बिटिया हर्षिता से ही क्रिया के संस्कार सम्पन्न करवाए थे। उन्होंने कहा कि अब जब बेटियां हर काम में आगे हैं और वे सबसे कठिन माने जाने वाले कार्य लड़ाकू विमान तक उड़ा रही हैं तो माता-पिता की मृत्यु के बाद होने वाले अन्तिम क्रिया संस्कारों के अधिकार से बेटियों को वंचित नहीं किया जाना चाहिए। रीता खनका रौतेला के वार्षिक श्राद्ध को बिटिया हर्षिता रौतेला ने हरिद्वार के कुशा घाट में कूर्मांचल के उनके तीर्थ पुरोहित संजय भगत के दिशा-निर्देशन में पुरोहित गिरीश चन्द्र पन्त ने सम्पन्न करवाया। उनका सहयोग पुरोहित उमेश काण्डपाल, पुरोहित गोपाल दत्त जोशी और रमेश गढ़कोटी ने किया। भाजपा की प्रदेश मंत्री मीरा रतूड़ी ने इसे सामाजिक रुढ़ियों के खिलाफ एक उल्लेखनीय कदम बताते हुए इसकी सराहना की।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पन्त पार्क में फड़ों के लिये जगह निर्धारित

नैनीताल। मल्लीताल पन्त पार्क में दुकानें लगाने के लिए नगर पालिका की ओर से 121 लोगों को लाइसेंस दिए गए हैं। दुकान लगाने के लिये जगह की नाप भी निर्धारित की गई है, जो लगभग 4 फीट लम्बी और 4 फीट चौड़ी है। अपनी मर्जी से दुकानें लगाने से हो रही अव्यवस्था को देखते हुए यह निर्धारण किया गया है

नगला मलिन बस्ती में चिन्हीकरण हो

रुद्रपुर। झा कालोनी 4 एच क्लब वार्ड 16 रामायण विहार नगर पालिका क्षेत्र नगला को मलिन बस्ती के रूप में चिन्हीकरण करने की मांग को लेकर क्षेत्र के लोगों ने जिलाधिकारी से भेंट की। किच्छा के पूर्व विधायक राजेश शुक्ल के नेतृत्व में डीएम को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि 1970 से यहाँ लोग झोपड़ियों में रह रहे हैं।

सिटी फारेस्ट तैयार करने की मुहिम

हल्द्वानी। वन अधिकारियों ने निर्माणाधीन सिटी फॉरेस्ट का निरीक्षण करते हुए इसे शीघ्र अंजाम देने की ठान ली है। मुख्य वन संरक्षक पी.के.पात्रो और वन संरक्षक (पश्चिमी वृत्त) डॉ.विनय भार्गव के नेतृत्व में टीम ने रामपुर रोड स्थित चीड़ डिपो की जमीन पर निर्माणाधीन सिटी फॉरेस्ट को देखा और मंथन किया कि कम संसाधनों में कैसे जल्द से जल्द इसे आम जनता के लिये खोला जाए।

सर्वदलीय संघर्ष समिति फिर से धरने पर जुटी

अल्मोड़ा। जिला विकास प्राधिकरण को समाप्त करने की मांग को लेकर सर्वदलीय संघर्ष समिति ने फिर से अपना धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। वर्ष 2017 से यह धरना निरन्तर चल रहा है जो लोक सभा चुनाव की आचार संहिता के कारण पिछले दो माह से स्थगित था। समिति के संयोजक निवर्तमान पालिकाध्यक्ष प्रकाश चन्द्र जोशीर ने कहा कि जब तक मांग पूरी नहीं हो जाती यह विरोध जारी रहेगा।

प्रदर्शनी व हाट मेलों का विरोध

लोहाघाट। प्रान्तीय उद्योग व्यापार मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष नवीन वर्मा के आगमन पर व्यापारियों ने उनका जोरदार स्वागत किया और लोहाघाट में प्रदर्शनी व हाट मेलों का तीव्र विरोध किया। स्थानीय व्यापारियों ने कहा कि बाहर से आने वाले व्यापारियों द्वारा हथकरघा प्रदर्शन लगाये जाने की सुगबुगाहट है, जिसे रोका जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि अगले माह लोहाघाट नगर मण्डल के चुनाव होंगे। सभा संचालन भूपाल सिंह मेहता ने किया। बैठक में प्रदेश संगठन मंत्री भैरव राय, सतीश मुरारी, प्रमोद गहतोड़ी, विवेक ओली, मनीष जुकरिया, राजू गड़कोटी, सतीश खर्कवाल, पप्पू वर्मा, त्रिलोक रावत, किशोर जोशी, योगेश मुरारी मौजूद थे।

गोमती नदी में हो रहे खनन की जाँच करे प्रशासन, कोर्ट जाएंगे

बागेश्वर। गोमती नदी में किए जा रहे अवैज्ञानिक खनन पर विभिन्न संगठनों ने रोष जताते हुए प्रशासन से जाँच की मांग की है और शीघ्र जाँच न होने की दिशा में इस प्रकरण को कोर्ट में उठाने की बात कही है।

सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल वनवासी ने इस मामले में शीघ्र जाँच की मांग की है। अब तक कई जनहित मामलों में उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर कर चुके गोपाल वनवासी ने एसडीएम गरुड़ को ज्ञापन देते हुए कहा कि गोमती नदी में खनन व्यवसायी द्वारा जेसीबी से खनन किया ज रहा है तथा दर्जनों डम्परों से माल अन्यत्र पहुँचाया जा रहा है। साथ ही नदी का रुख बदल दिया गया है। इस मामले में कज्यूली की आम जनता ने इसका विरोध किया परन्तु उनकी मांग नहीं मानी गई। इस सम्बन्ध में पूर्व में भी प्रशासन को ज्ञापन सौंपे गऐ हैं। उन्होंने कहा कि शीघ्र खनन पर रोक लगाकर उनकी आपत्ति पर विचार किया जाए। यदि अवैध खनन जारी रहा तो वे उच्च न्यायालय में याचिका दायर करेंगे।

बाराही धाम में दिखेगा भव्य शिल्प

देवीधुरा। बाराही धाम में पूर्वजों की विरासत, मन्दिर की शिल्प कला का समावेश करते हुए नागर, द्रविड़, पिरामिड, गुम्बद, शिखर शैली के अलावा नेपाल के पशुपतिनाथ मन्दिर की शिल्प शैली के संगम से यहाँ ऐसा भव्य अलौकिक मन्दिर बनेगा, जिसमें भगवान सूर्य नारायण की पहली किरण माँ बाराही का अभिषेक करेगी। इस मन्दिर में उत्तर भारत के सनातनी ही नहीं बौद्ध भी अपनी लोक परम्परा के अनुसार पूजा व दर्शन के लिए आएंगे।

श्री बाराही शक्तिपीठ ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं वर्तमान में रेलवे कोरिडोर के डायरेक्टर हीरा बल्लभ जोशी ने यह जानकारी दी। बताया कि देश के ख्यातिप्राप्त आर्किटेक्टों द्वारा वास्तु के आधार पर मन्दिर का ऐसा डिजायन तैयार किया जा रहा है, जिसे देखते ही व्यक्ति के आचार-विचार व संस्कार बदलकर उनमें ऐसी सकारात्मक ऊर्जा पैदा होने लगेगी कि वह अपने को दैवीय सत्ता के निकट महसूस कर अनन्त में खो जाएंगे।

बताते चलें अपनी प्रतिभा के बल पर मुकाम पर पहुँचे हीराबल्लभ जोशी 1992 में सिविल सेवा में चयनित हुए थे। इनका लगावा हमेशा अपनी माटी से रहा है।

गंगोलीहाट : नोटिस से हड़कम्प

गंगोलीहाट। प्रशासन की ओर से 5 व्यापारियों को अतिक्रमण का हवाला देते हुए दुकान खाली करने का नोटिस जारी करने पर हड़कम्प मच गया। ऐसे में व्यापारियों ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन देकर प्रशासन की कार्रवाई को एकतरफा बताया। कहा कि कई अन्य लोग हैं जिन्होंने सरकारी भूमि पर अतिक्रमण किया हुआ है लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। मुख्य बाजार में कई दशकों से अपनी भूमि में व्यावसायिक प्रतिष्ठान से आजीविका चलाने वालों को अतिक्रमण बताकर नोटिस जारी किया जाना उचित नहीं है। जबकि कई लोगों ने लोनिवि की भूमि पर अतिक्रमण किया है। ऐसे में केवल गिने चुने लोगों पर ही कार्रवाई करना न्यायोचित नहीं है। व्यापारी मोहन कार्की, दीपक कुमार, खद्योत चन्द्र शाह व राजेन्द्र सिंह बोरा ने कहा कि अतिक्रमण करने वाले व्यवसायियों को समान रूप से चिन्हित करें।

परिक्रमा

१० जुलाई तक होंगे तबादले

देहरादून। प्रदेश में कर्मचारियों के तबादले दस जुलाई तक हो सकेंगे। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि फाइल को अनुमोदन के लिए सीएम के पास भेजा जाएगा। लोक सभा चुनाव की वजह से राज्य में 15 हजार से अधिक कर्मचारियों के तबादले लटक गए थे। यह तबादले 10 जून तक होने थे।

नागराजा की डोली गद्दी पर विराजमान

टिहरी। परम्परानुसार सिद्ध नागराजाकी डोली एक साल के लये अपने गद्दी स्थल गाफर में विराजमान हो चुकी है। बंस्यूल के जिला पंचायत सदस्य जयवीर सिंह रावत ने बताया कि इस अवसर पर ग्रामीणों ने जागरण और भजन-कीर्तन किये। श्री रावत ने इस स्थल को पर्यटन सर्किल से जोड़कर मुख्य मार्गों से जोड़ने की मांग की है। साथ ही टिहरी झील से पम्पिंग योजना की मांग की है।

भारत-चीन व्यापार न होने से परेशानी

पिथौरागढ़। भारत-चीन व्यापार से जुड़े व्यापारियों ने लिपुलेख दर्रे से फिर से व्यापार खोलने की मांग उठाई है। व्यापारियों का कहना है कि 1962 से वह लगातार व्यापार में शामिल रहे हैं लेकिन 2019 के बाद यह बन्द हो गया। इससे उन्हें आर्थिक नुकसान हो रहा है। भारत-तिब्बत व्यापार समिति के अध्यक्ष जीवन सिंह रैंकली ने बताया है कि व्यापार बन्द होने से उनका करीब 40 लाख का सामना तकलाकोट मण्डी में फंसा है। बताया कि चीन ने नेपाल के तिंकर, छांगरु समेत पाँच नाकों से व्यापार खोल दिया है। छांगरू के तीन व्यापारी 26 जून को व्यापार के लिये तिब्बत रवाना होंगे। व्यापार खोलने के सम्बन्ध में भारत सरकार को 22 आवेदन भेजे हैं। पिछले साल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के समक्ष भी मामले को उठाया गया था। श्री रौंकली ने बताया कि व्यापार बन्द होते समय उनका सामान प्लाईवुड कवर में संग्रहीत किया गया था। उन्हें नहीं पता कि उनका सामान सुरक्षित भी है या नहीं। वर्ष 1992 से यहाँ के व्यापारी पश्चिम तिब्बत को वस्तुओं की आपूर्ति करते हैं।

यमुनोत्री धारण क्षमता पर कार्ययोजना

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चारधाम प्रबन्धन यात्रा प्राधिकरण के गठन में तेजी लाने और यमुनोत्री धाम में कैपेसिटी (धारण क्षमता) बढ़ाने के लिये निर्देश दिए हैं। सीएम ने मुख्य सेवक सदन में हुई बैठक में कहा कि चारधाम यात्रा प्रबन्धन प्राधिकरण का कार्यक्षेत्र सिर्फ चारधाम तक सीमित नहीं होगा। राज्य में सभी प्रकार की यात्राओं के प्रबन्धन की जिम्मेदारी इसी प्राधिकरण की होगी। उन्होंने कहा कि गंगोत्री व यमुनोत्री धामों में तीर्थयात्रियों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। ऐसे में यमुनोत्री धाम की कैरिंग कैपेसिटी अर्थात यात्रियों के ठहरने की सुविधाएं जैसे होटल, गेस्ट हाउस की संख्या को बढ़ाने पर ठोस काम करना चाहिए। सीएम ने चारधाम यात्रा का संचालन कोटद्वार से करने के लिए सम्भावनाएं तलाशने के निर्देश दिए। केदारनाथ, हेमकुण्ड साहिब व यमुनोत्री के लिये रोपवे के निर्देश दिए।

बेरीनाग में पानी का हाहाकार, प्रदर्शन

बेरीनाग। नगर क्षेत्र में पानी का हाहाकार मचा हुआ है। व्यापार संघ अध्यक्ष राजेश रावत के नेतृत्व में महिलाओं ने जबर्दस्त प्रदर्शन भी किया। आक्रोशित लोगों ने कहा कि कई दिनों से नलों में पानी नहीं आ रहा है। जल संस्थान कार्यालय पहुँचे प्रदर्शनकारियों ने कहा कि एक ओर स्मार्ट सिटी बनाए जाने का ढिढोंरा पीटा जा रहा है दूसरी ओर पेयजल तक उपलब्ध नहीं है। ब्लाक प्रमुख विनीता वाफिला ने भी पेयजल संकट पर नाराजगी जताई और जल संस्थान व जल निगम को व्यवस्था दुरुस्त करने को कहा। प्रदर्शनकारियों में पुष्कर लाल शाह, गरिमा पन्त, मंजू पन्त, किशोर जोशी, सागर पन्त, अनिल शाही आदि थे

बताते चलें कि बेरीनाग क्षेत्र में पानी की बेहद दिक्कत है। कल्लू खान जाते समय मुख्य मार्ग पर जो प्रसिद्ध धारा था वह भी सूख चुका है। जल संरक्षण के लिये आयोजन होते रहे हैं लेकिन जंगल चोरी, पेड़ कटान, अतिक्रमण इन सब कारणों से भी जल संकट बढ़ता जा रहा है।

ग्लेशियरों का अध्ययन करेगा एनआइएच

रुड़की। गंगोत्री ग्लेशियर का अध्ययन करने के साथ ही अब राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान (एनआइएच) रुड़की के विज्ञानी हिमालय के तीन और ग्लेशियरों का अध्ययन करेंगे। इसमें मिलम, खतलिंग, त्रिलोकीनाथ ग्लेशियर शामिल हैं। अध्ययन में पता लगाया जायेगा कि इन ग्लेशियरों का आकार कितना है, उसमें कोई परिवर्तन आ रहा है या नहीं आदि।

अध्ययन नदियों के पुनर्जीवीकरण का

देहरादून। उत्तराखण्ड के जलस्रोतों व नदियों के संरक्षण के लिये सारा ने तात्कालिक और दीर्घकालिक योजनाएं तैयार की हैं। स्प्रिंग एण्ड रिवर रिज्युविनेशन आर्थारिटी (सारा) ने प्रत्येक जिले में एक नदी के पुनर्जीवीकरण का लक्ष्य रखा है। इसके लिये पहले सम्बन्धित नदी को नवजीवन देने के दृष्टिगत हर पहलू से गहन अध्ययन किया जायेगा। ऐसी नदियों के लिये सभी जिलाधिकारियों से व्योरा मांगा गया है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

मर्तोली में माँ नन्दा का भव्य मन्दिर तैयार, समारोह में झूमे श्रद्धालु

जोहार। चीन सीमा से लगे मल्ला जोहार के 3500 मीटर की ऊँचाई पर स्थित मर्तोली गाँव में माँ नन्दा का भव्य मन्दिर बनने पर आयोजित समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पधारे और पूजा अर्चना के अलावा परम्परागत उत्सव करते हुए झूमे।

अपनी आराध्य देवी माँ नन्दा के मन्दिर को भव्य रूप देने के लिये तमाम मर्तोलिया बन्धुओं ने जो अभियान चलाया था, उसका परिणाम अब दिखाई दे रहा है और आने वाले समय में पर्यटन को विस्तार भी मिलेगा। प्राचीन मन्दिर को भव्य आकार देने के लिये आपसी सहयोग व आर्थिक मदद के लिये यत्र-तत्र निवास कर रहे मर्तोलिया बन्धु और ध्यैनियों ने श्रद्धापूर्वक भाव रखा जिससे यह आयोजन भी वृहद स्तर पर हुआ।

समारोह में स्थानीय लोगों के अलावा तमाम प्रवासी व भक्तगण उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्रमुख न्यासी चन्द्र सिंह मर्तोलिया, प्रेम सिंह मर्तोलिया, धाम सिंह मर्तोलिया, गणेश सिंह मर्तोलिया, टीएस मर्तोलिया, बीएस मर्तोलिया, सुन्दर सिंह मर्तोलिया, मल्ला जोहार विकास समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मशक्तू, लोक बहादुर जंगपांगी, लक्ष्मण सिंह पांगती, तेज सिंह मर्तोलिया, हेमू मर्तोलिया, यशोदा देवी, जानकी देवी, मंजू देवी मौजूद थे।

मर्तोली में नन्दा के भव्य मन्दिर में पूजा के साथ ही अपनी भूमि को पूजने व देखने के लिये नई पीढ़ी को जोड़ते बुजुर्गवारों में खासा उत्साह आयोजन के दौरान देखा गया। आयोजन में पूजा अनुष्ठान के बाद ढोल-दमुवे की धुन पर थिरकन व हुस्के पर झूमते लोगों ने जिस प्रकार का आत्मविश्वास झलक रहा था वह निश्चित ही आने वाले दिनों में फलित होगा। आयोजन पर स्मारिका प्रकाशन भी किया गया है और इष्ट-मित्रों को प्रसाद पहुँचाया गया है।

उपचुनाव में होनी है पार्टी अध्यक्षों की परीक्षा

महेन्द्र भट्ट और करन माहरा जुटे हैं भाजपा-कांग्रेस की रणनीति बनाने में

लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्षों की परीक्षा होने जा रही है क्योंकि विधानसभा बदरीनाथ और मंगलौर के लिये 10 जुलाई को मतदान होना है। निर्वाचन आयोग ने रिक्त चल रही सीटों के लिये जिस प्रकार का निर्देश दिया उसमें चुनाव होने हैं। प्रशासनिक तैयारी और निर्वाचन आयोग अपने कार्य में जुटे हैं लेकिन राजनीति दलों की फितरत जीत के लिये गुणा-भाग की होती है। लोकसभा चुनाव के परिणामों के बाद दोनों ही दलों में यह दबाव है कि वह उपचुनाव जीतें। भाजपा के अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट का कहना है कि भाजपा ने पिछले चुनाव में जो वादे किये थे उन्हें पूरा कर रही है। जनता का भाजपा के प्रति अटूट विश्वास है और उप चुनाव में हमारी पार्टी जीतेगी। कांग्रेस के अध्यक्ष करन माहरा कहते हैं जनता सरकार से त्रस्त हो चुकी है। महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है। भाजपा ने वायदे पूरे नहीं किये। जनता ने उपचुनाव में इसका बदला लेने का मन बना लिया है।

पाटियों और इनके नेताओं का काम अपना माहौल बनाना है लेकिन सच्चाई तो यह है कि लोकसभा चुनाव के बाद उत्तराखण्ड की इन दोनों सीटों पर दारोमदार देखने लायक होगा। 2022 के विधानसभा चुनाव में बदरीनाथ सीट पर कांग्रेस के राजेन्द्र भण्डारी ने भाजपा को मात दी थी। अब परिस्थिति बदली है और भण्डारी लोकसभा चुनाव के दौरान इस्तीफा देकर भाजपा में हैं। बदरीनाथ प्रदेश अध्यक्ष भाजपा महेन्द्र भट्ट का गृह क्षेत्र है।

चारधाम यात्रा रामनगर से भी शुरू हो, उम्मीद और प्रस्ताव

रामनगर। चारधाम यात्रा रुटों पर बढ़ते दबाव के बाद अब रामनगर से भी इसे शुरू करने की उम्मीद है और इसके लिये प्रस्ताव दिये जा रहे हैं। सीएम ने कोटद्वार से यात्रा के लिये बात कही है ऐसे में लगने लगा है कि आने वाले समय में रामनगर रूट से यात्रा शुरु होगी।

बताया जा रहा है कि प्रदेश सरकार ने जिला प्रशासन द्वारा चारधाम यात्रा की सम्भावनाएं तलाशनी शुरू कर दी हैं। नैनीताल जिला प्रशासन और परिवहन विभाग ने प्रारम्भिक सर्वे का काम करने के साथ ही रिपोर्ट तैयार की है। असल में चाधधाम यात्रा में बेहहिसाब भीड़ के कारण इस प्रकार के रूट की जरूरत भी है ताकि दबाव को मोड़ा जा सके। रामनगर से मोहान-मोलेखाल-भिकियासैंण-चौखुटिया-गैरसैंण और कर्णप्रयाग होते हुए चारधाम यात्रा की जा सकती है। सन् 1950 तक लोग इस मार्ग से जाते रहे हैं। अब जबकि फिर उम्मीद बन रही है, व्यापारियों में भी खुशी है।

सर्वे में खुलासा किया है कि मार्ग बेहद सकरा है, जिसे दुरुस्त किया जाना जरूरी है। इसमें एक दिन में 150 तक बसें और 300 तक छोटे वाहनों को चलाया जा सकता है। यह यात्रा रामनगर सिंचाई विभग और डिग्री कालेज की भूमि से शुरू हो सकती है। यात्रा शुरू करने से पहले सुविधाओं को जुटाना होगा।

दरांती, दुम्मर, दरकोट बनेंगे मुर्गी विलेज, प्रशिक्षण के बाद मुर्गीबाड़े की तैयारी

मुनस्यारी। सीमान्त तहसील के दरांती, दुम्मर तथा दरकोट गाँव को 'मुर्गी विलेज' बनाएं जाने के क्रम में पशुपालन विभाग की मदद से 60 लाभार्थियों को मुर्गी के चूजे, दाना, दवाई तथा जाली जिपंस जगत मर्तोलिया के माध्यम से वितरित किया गया। इस अवसर पर लाभार्थियों से मुर्गी पालन को व्यवसाय के रूप में तब्दील किए जाने की अपील की गई। उन्होंने अधिकारियों से 'एक गाँव एक उत्पाद' पर कार्य योजना बनाने के लिए भी कहा ताकि स्वरोजगार को हम हर गाँव में स्थापित कर सकें।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया द्वारा ग्राम पंचायत दरांती, दुम्मर तथा दरकोट को मुर्गी विलेज के रूप में पहचान बनाने के लिए योजना तैयार की गई है। इस क्रम में एसबीआई आरसीटी पिथौरागढ़ द्वारा इन लाभार्थियों को पूर्व में प्रशिक्षित किया गया है। पशुपालन

विभाग द्वारा लाभार्थियों को जिला योजना के अन्तर्गत सामग्री निशुल्क वितरित की गई। खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय को भी इस योजना से जोड़ा गया है। मनरेगा के तहत इन लाभार्थियों के लिए मुर्गी बाड़ा का भी निर्माण कराया जाएगा।

पशुपालन विभाग तथा विकासखण्ड कार्यालय के कार्मिक समय समन्वय स्थापित करते हुए मानिटरिंग का कार्य करेंगे ताकि एक-एक लाभार्थी की सक्सेस स्टोरी सामने आ सके। जिला योजना अन्तर्गत पशु चिकित्सालय मुनस्यारी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम दरकोट, दुम्मर एवं दरांती के 60 लाभार्थियों को बैकयार्ड कुटकुट इकाई का वितरण किया गया। पशुचिकित्सा के मुनस्यारी के फार्मासिस्ट निरंजन वर्मा, एमवीयू के प्रभारी डा. मनीष कुमार तथा मैत्री कार्यकर्ता बबलू रावत द्वारा उक्त वितरण में सहयोग किया गया।

जिपं सदस्य जगत लसह मर्तोलिया ने लाभार्थियों को पशुपालन विभाग द्वारा दी गई उक्त सामग्री वितरित की गई। उन्होंने लाभार्थियों से इस विजन का महत्व समझते हुए ईमानदारी के साथ मुर्गी विलेज के सपने को साकार करने के लिए कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने सहयोग के लिए जिलाधिकारी तथा मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी का आभार प्रकट किया।

इस अवसर पर दरकोट की ग्राम प्रधान सावित्री पांगती, सामाजिक कार्यकर्ता बबलू लोहानी, भारतीय स्टेट बैंक के वरिष्ठ अधिकारी प्रेम सिंह बरफाल, एनआरएलएम के बी.एम.एम. खगेन्द्र सिंह मेहरा आदि उपस्थित रहे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

घर से बाहर अपनों का साथ

होटल लक्ष्य इन

मदकोट

सम्पर्क 7351285555

नरेन्द्र सिंह रावत

न तेरा न मेरा Thats

APNA GHAR चौकोड़ी

HOTEL RESTRO BANQUET

मो.- 9458920379, 6396098804

YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING

Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)

पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel

Bala Paradise

Tiksain, Munsiari

Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise

Bus Station Munsiari

Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत होम स्टे

धरमघर/चकोड़ी

(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)

www.mountainheights.in

मो. 9760007148

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल

भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी

(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)

गोदाम- जोहार एसोसिएट्स, बच्चीनगर- १, कमलुवागांजा, हल्द्वानी

मो.- 7409440813, 7500619761

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर

नानासेम, मुनस्यारी

गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स

हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स

फोन सम्पर्क- 05961-222236 8958525979, 9411134775

MARTOLIA FURNITURE

A unit of Martolia Enterprises

Pilikothi, Haldwani

Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

Enjoy Beauty of Himalaya at

MARTOLIA LODGE

Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari

A Home Away From Home & Home Stay

Phone: (05961) 222287

पिघलता हिमालय स्थापना के 47 वर्ष में प्रवेश पर हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

जवाहर सिंह परिहार

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष

परिहार माइन्स बागेश्वर

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादक: श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,

editorpighaltahimalay@gmail.com

Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)